**Title: Regarding suspension of Question Hour to discuss the situation in Iraq and pass a unanimous resolution condemning the military action on Iraq by the USA – led coalition forces.**

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** अध्यक्ष महोदय, अमरीका द्वारा इराक पर हमले की घोर निन्दा होनी चाहिए। मैंने इसके ऊपर प्रश्न-काल को स्थगित कर, सदन में चर्चा कराने का नोटिस दिया है। â€¦ (व्यवधान)

**श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) :** अध्यक्ष महोदय, हमने भी नोटिस दिया है। क्वैश्चन-आवर को सस्पेंड कर इस सिचुएशन पर डिसकशन होना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** कृपया सभी बैठिए। मेरी विनती है कि आप चेयर को कोआपरेट करिए।

श्री रामजी लाल सुमन, आपने क्वैश्चन आवर को सस्पेंड करने का नोटिस दिया है। आप इस बारे में क्या कहना चाहते हैं, बोलिए।

**श्री रामजीलाल सुमन** : अध्यक्ष महोदय, कल भी इस सम्मानित सदन में इस विाय में चर्चा हुई थी कि अमरीका का जो तानाशाही रवैया रहा है, उसके लिए हमें उसकी घोर शब्दों में निन्दा का प्रस्ताव पारित करना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

**श्री विनय कटियार (फैज़ाबाद) :** यह घनघोर क्या होता है। बादलों की जो काली घटा छाती है, उसे घनघोर घटा बोलते हैं। आप पहले घनघोर निन्दा का अर्थ तो हमें बताएं। â€¦ (व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** अब आपको कुछ दिखाई ही नहीं देता। मैं आपको क्या अर्थ समझाऊं।

अध्यक्ष महोदय, यह अत्यधिक गम्भीर मामला है। पूरी दुनिया चाहती थी कि अमरीका इराक के साथ युद्ध न करे और न सिर्फ दुनिया, बल्कि अमरीका के भी 70 फीसदी से अधिक लोग नहीं चाहते थे कि अमरीका इराक पर हमला करे। हिन्दुस्तान में जो सर्वेक्षण हुआ, उसके मुताबिक 87 फीसदी लोग इस हक में थे कि किसी भी कीमत पर अमरीका इराक पर हमला न करे। यह अत्यधिक गम्भीर सवाल है। मैं आरोप लगाना चाहता हूं कि इस सरकार का जो सार्थक रवैया इस बारे में होना चाहिए था वह नहीं रहा और अमरीका द्वारा इराक में युद्ध करने के विरोध में लोक सभा में अमरीका के खिलाफ जो प्रस्ताव पारित होना चाहिए था और उसमें भारत की जो सार्थक भूमिका होनी चाहिए, वह नहीं रही।

महोदय, वे देश जो अमरीका द्वारा इराक पर युद्ध किए जाने के खिलाफ थे, जैसे फ्रांस, जर्मनी, रूस और चीन आदि, उनसे भारत ने कोई विचार-विमर्श नहीं किया, कोई समझ पैदा नहीं की, कोई कोआर्डीनेशन नहीं किया और अमरीकी हमले को रोकने का जो प्रयास होना चाहिए, वैसा कोई प्रयास नहीं हुआ। मैं आरोप लगाना चाहता हूं इस सरकार पर कि अमरीकी को इराक पर युद्ध करने से रोकने में सरकार की भूमिका शून्य के बराबर रही है, बल्कि मैं यह कहूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अर्थहीन रही है। यह अत्यधिक गम्भीर मामला है।

महोदय, जहां तक संयुक्त राट्र संघ का सवाल है, संयुक्त राट्र की भूमिका को अमरीका ने प्रभावहीन बना दिया है। उसका कोई नोटिस लेने को तैयार नहीं है। मैं आपकी मार्फत निवेदन करना चाहूंगा कि हिन्दुस्तान का मतलब सिर्फ श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लाल कृण आडवाणी जी नहीं है, बल्कि पूरा देश चाहता था कि अमरीकी हमला इराक पर न हो, उसके बावजूद अमरीका ने इराक पर हमला कर दिया। यह सभा पूरे हिन्दुस्तान का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए इस संसद से िवश्व को संदेश जाना चाहिए कि इस संकट की घड़ी में भारत इराक के साथ है। हम अमरीका की भर्त्सना करते हैं, आलोचना करते हैं, उसको अपराधी मानते हैं और उसकी निन्दा करते हैं। यह संदेश यहां से जाना चाहिए। इसलिए मेरा निवेदन है कि प्रश्न-काल को स्थगित करें और इस पर चर्चा शुरू कराएं। â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** श्री सुमन, कृपया अब आप बैठिए। मैंने आपको मौका दिया। मैंने आपकी बात सुनी। कृपया बैठिए।

यह विाय गम्भीर है और इस विाय में एक मत से रिजोल्यूशन पास करने की जरूरत है, इस बारे में पूरा सदन एक है और यही समझ कर कल इस विाय में जब सदन स्थगित हुआ, तो मैंने कहा था कि गवर्नमेंट ने मेरे पास इस विाय में एक रिजोल्यूशन भेजा है और गवर्नमेंट चाहती थी कि वह सर्वसम्मति से सदन से पारित हो। इस बारे में एक ड्राफ्ट मेरे पास आ गया। मैंने वह देखा और बाद में विपक्ष के लोगों को भी दिया। विपक्ष के लोगों ने भी उसे देखा। आज उसमें कुछ सुधार कर के मुझे फिर उसे दिया गया है। रिजोल्यूशन को पास करने में कोई बाधा नहीं है। सभी चाहते हैं कि इस विाय में जो कुछ करना है वह एकमत से करने की जरूरत है।

यह प्रश्न राट्रीय है। जब यह तय हो चुका है कि इस अंतर्राट्रीय प्रश्न पर हमें एकमत से प्रस्ताव पारित करने की देश को बहुत जरूरत है, तो मैं सोचता हूं कि इस विाय पर यहां का एटमोसफियर खराब करने की कोई जरूरत नहीं है। जिसमें गवर्नमैंट और विपक्ष दोनों की भूमिका एक हो, ऐसा ड्राफ्ट यदि सभी पक्षों को मंजूर हो तो एक अच्छा संदेश पूरे देश में और देश के बाहर जा सकता है।

इसीलिए मैंने कल हर पार्टी के लोगों से कहा कि वे अपने विचार यहां रखें। आप सबने कल अपने विचार यहां रखे। उसके बाद शाम पांच बजे नेताओं की मीटिंग हुई। आज सुबह भी मीटिंग हुई है। मैं अभी भी आशा करता हूं कि एक ड्राफ्ट, जो सभी को ऐक्सैप्टेबल हो, पास हो जायेगा तो इस विाय पर आज ही चर्चा हो सकती है। अभी कई सदस्यों के नोटिसेज मेरे सामने है। मैं नहीं सोचता कि क्वैश्चन ऑवर सस्पेंड करने से कोई फायदा होगा। हम क्वैश्चन ऑवर चला सकते हैं। जब ड्राफ्ट एक मत से स्वीकार हो जायेगा तो उस ड्राफ्ट पर सदन में चर्चा हो सकती है - यही मेरा प्रयास रहा है।

...(व्यवधान)

**श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर)** : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो नोटिस दिया है, उसमें बताया है कि क्वैश्चन ऑवर क्यों सस्पेंड किया जाए ? â€¦ (व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** अध्यक्ष महोदय, इससे ज्यादा गंभीर मामला और क्या हो सकता है? â€¦ (व्यवधान) यह सबसे महत्वपूर्ण मामला है। â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** रामजी लाल सुमन जी, कृपया आप बैठिये। मैंने आपको पूरा समय दिया है। आपने जो कहा, वह मैने सुना है। श्री राम विलास पासवान जी, आपने इस विाय में नोटिस दिया है इसलिए अब आप बोलिये।

...(व्यवधान)

**श्री रामदास आठवले (पंढरपुर)** : अध्यक्ष महोदय, हम जो ड्राफ्ट देंगे, वह स्वीकार करना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

**प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) :** अध्यक्ष महोदय, इनको भारत की चिंता नहीं है। इनको इराक और यू.एस.ए. की चिंता है। â€¦ (व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** ये अमेरिका के गुलाम हैं। â€¦ (व्यवधान)

**श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) :** अध्यक्ष महोदय, कल सुबह ही एक निंदा प्रस्ताव पास करना चाहिए था लेकिन आज तक लोक सभा में निंदा प्रस्ताव पास नहीं हुआ। इस विाय पर हमें घोर निंदा का प्रस्ताव पास करना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** राम विलास पासवान जी, अब आप बोलिये।

...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : अभी तक मतभेद बहुत कम हुए हैं।

...(व्यवधान)

**श्री श्रीप्रकाश जायसवाल** : अध्यक्ष महोदय, कल सुबह ही यह प्रस्ताव पारित हो जाना चाहिए था। यह बिल्कुल साफ है कि अमेरिका ने इराक पर जबर्दस्त हमला किया है। इसकी घोर निंदा की जाये और इस विाय पर यहां डिबेट होनी चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** राम विलास पासवान जी, अब आप बोलिये।

...(व्यवधान)

**प्रो. रासा सिंह रावत** : अध्यक्ष महोदय, यह हाउस का समय बर्बाद कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

**श्री राम विलास पासवान :** अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन ऑवर â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** मैंने श्री राम विलास पासवान को बोलने के लिए कहा है।

...(व्यवधान)

**श्री रामदास आठवले** : अध्यक्ष महोदय, अमेरिका इराक को बर्बाद कर रहा है, इस पर चर्चा होनी चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** रामदास जी, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

**श्री रामदास आठवले** : अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन ऑवर को सस्पेंड करना चाहिए और जो ड्राफ्ट हम दें, वह स्वीकार करना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

**श्री राम विलास पासवान :** अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन ऑवर को सस्पेंड करने की कोई आवश्कता नहीं थी। यह सरकार अपना समय बर्बाद कर रही है, देश को फजीहत में डाल रही है और सदन का भी समय बर्बाद कर रही है। â€¦ (व्यवधान)

**प्रो. रासा सिंह रावत :** आप लोग समय बर्बाद कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

**श्री राम विलास पासवान :** अध्यक्ष महोदय, अभी आपके यहां मीटिंग हुई। उस मीटिंग में सरकार को छोड़कर सभी राजनैतिक दल के लोग, ईवन बी.जे.पी. के लोग भी उस प्रस्ताव के पक्ष में हैं। सारा का सारा पक्ष और विपक्ष उस प्रस्ताव के पक्ष में है, तो क्यों नहीं उस प्रस्ताव को आपके माध्यम से यहां पेश किया जा रहा ? कौन समय की बर्बादी कर रहा है ? आप मजाक बनाये हुए हैं। देश की प्रतिठा को इन्होंने दांव पर लगा रखा है। â€¦ (व्यवधान) टी.डी.पी. के लोग यहां बैठे हुए हैं। आप उनसे पूछिये कि उन्होंने उस प्रस्ताव का समर्थन किया है या नहीं ? समता पार्टी के लोग यहां बैठे हुए हैं, जनता दल के लोग यहां बैठे हुए हैं, डी.एम.के, के लोग यहां बैठे हुए हैं. ए.डी.एम.के. के लोग यहां बैठे हुए हैं, बी.जे.पी. के लोग यहां बैठे हुए हैं। â€¦ (व्यवधान) हम सब लोगों ने उसे कंडम किया है फिर क्यों इन्हें सबसे नफरत है। इसके बाद हमने कहा कि ठीक है, आप हिन्दी में पहली बार प्रस्ताव पास करायें और प्रस्ताव हिन्दी में दे दिया। हिन्दी में देने के बाद अब इनके यहां कितने नेता हैं, पता ही नहीं चलता। आपने साढ़े दस बजे हमें बुलाया था कि आप सब माइंड़ मेकअप करके आइये। साढ़े दस बजे जब सारा पक्ष और विपक्ष स्पीकर के सामने एक पक्ष में हो गया तब प्रश्न आया कि सरकार इसे एप्रूव करती है या नहीं ? अब कौन समय की बर्बादी कर रहा है ? मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हम इराक के मुद्दे को टॉप प्रायरिटी पर रखना चाहते हैं।

हम देश में कोई सिगनल नही देना चाहते हैं कि सदन इसमें गंभीर नहीं है और मैं कहना चाहता हूं कि यह सद्दाम हुसैन आज जाएगा, कल जाएगा, सद्दाम हुसैन तो एक बहाना है, असली इराकी तेल निशाना है, वह लोगों को पता चल जाएगा। मैं इस पर ज्यादा नहीं कहना चाहता हूं। आप सदन की कार्यवाही को चलाना चाहते हैं तो इस प्रस्ताव को यहां पढ़िए और यदि सरकार को यह स्थिति मंजूर नहीं है तो हाउस को एडजर्न कर दीजिए, फिर बैठक बुलाइए और उसके बाद हाउस को चलाने का काम कीजिए लेकिन सदन में क्वैश्चन ऑवर नहीं चलेगा।â€¦ (व्यवधान)

SHRI KHARABELA SWAIN (BALASORE): Mr. Speaker, Sir, I am on a point of order.

MR. SPEAKER: What is your point of order?

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Mr. Speaker, Sir, how can there be a point of order in Question Hour?

MR. SPEAKER: Question Hour has not yet started.

...(*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, how can he object? I am raising a point of order under Rule 388. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let him say what he wants to say.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Kharabela Swain, what is the rule that you are referring to?

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, it is Rule 388 and it is with regard to suspension of rules. Rule 388 says:

> "Any Member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended in its application to a particular motion before the House and if the motion is carried the rule in question shall be suspended for the time being."

MR. SPEAKER: The hon. Member has asked me to go through Rule 388. I have seen the Rule and it says:

> "Any Member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended in its application to a particular motion before the House and if the motion is carried the rule in question shall be suspended for the time being."

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, it says: "any rule may be suspended in its application to a particular motion". Where is the motion here? Motion means, it must be listed in the List of Business, but it is not listed here. ...(*Interruptions*) Sir, now read Rule 32. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There is no substance in your point of order.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Mr. Speaker, Sir, we are very sorry that we have to repeat the notice for suspension of Question Hour today also. While our party is very keen that the proceedings of the House should not be disrupted, not only our side, but the entire House, irrespective of party lines, wanted to pass a Resolution. ...(*Interruptions*) Sir, should I speak or will he go on arguing on his point of order?

MR. SPEAKER: Shri Kharabela Swain, I have given a ruling on your point of order. Please take your seat.

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, there is no motion before the House. So, how can the Question Hour be suspended? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Whatever Shri Kharabela Swain is speaking now should not go on record.

*(Interruptions) â€¦**

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, it is not our intention to give notice for suspension of Question Hour today also. But yesterday and today, cutting across party lines, the entire House has been discussing as to how India will express its feelings, its protest, its agony, its concern and its solidarity with the people of Iraq.

Sir, we have been trying, under your leadership, since yesterday to reach for a unanimity. This morning also we met.

Mr. Speaker Sir, it is very painful that in the 21st century, the first naked imperialistic aggression in the most crude and uncivilised manner, defying all the canons of international law and conventions of UN, took place very near to our sub-continent, very near to our territory and that too in Asia on Iraq.

Sir, we are a country of one billion people, which preaches, right from the days of Lord Buddha and Mahatma Gandhi, the message of peace, the message of solidarity, and this Parliament has every time stood by each one's sovereignty and non-interference. Sir, our hon. Prime Minister, while he was intervening in a debate, made it very clear that he is opposed to change of a regime by outside forces, and that has already taken place. We will not compare the incidents of Iraq with the incidents of Czechoslovakia and Hungary. We should not be misconstrued by our concept on the present issue.

* Not Recorded

Therefore, I strongly plead and I strongly appeal to you to pass a unanimous resolution in this regard. We are not going to make it a political issue. We know what had been stated by Pakistan yesterday for India. We know, as we have read, what has been stated by the US Army today.

Mr. Speaker Sir, the US Army Chief has said that they can go wherever they like. We know what has been stated by President Musharraf yesterday. It is all against India's will and unity. Therefore, this is the most appropriate time that the Parliament unanimously should come to a resolution addressed by you and that the Government does not have any objection and does not create hindrance to the resolution. The word '*ghor ninda'* is not a word which will hurt the Government.

Mr. Speaker Sir, many a time, an Executive is compelled by the overwhelming wish of the Parliament, be it in the House of Commons or in the US Congress. If Parliament expresses its view under your leadership, it does not weaken the hands of the Government for its diplomatic parleys. Therefore, I appeal to the Government to come to a unanimous resolution, as you have discussed this morning, cutting across party lines and once again show to the whole word that India is one with Iraq, is consistently against imperialist onslaught. This is the only appeal that we wish to make.

I hope on this matter, we shall not divide the House and the Government will consider the word '*ghor ninda'*.

**श्री शंकर सिंह वाघेला (कपड़वंज) :** अध्यक्ष महोदय, मेहरबानी करके आप कल की पुनरावृत्ति न करें। प्रश्न काल सस्पेंड करने का मतलब यह है कि जब इतना बड़ा प्रश्न है कि हिन्दुस्तान की पार्लियामेंट, अपने प्रश्नों को साइड में रखकर, इराक-अमेरिका का प्रश्न लेकर दुनिया का ध्यान आकर्ति करना चाहती है कि हिन्दुस्तान का रवैया क्या है, इस पर कल भी चर्चा हुई थी, आज भी हो रही है। अगर 12 बजाने हैं तो प्रश्न काल सस्पेंड करने की जो स्पिरिट है, वह नहीं रहेगी। इस स्पिरिट का मतलब है कि हमारे सामने जो प्रश्न हैं, उससे बड़ा यह प्रश्न है इसलिए आपको प्रश्न काल सस्पेंड करना है तो करें, अगर नहीं करना है तो मेहरबानी करके हमारे प्र श्नों को अलाऊ करें। यही सुनने का तरीका कल भी था और आज भी 12 बज जाएंगे, फिर वही बात हो जाएगी। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप इस विाय पर कोई निर्णय लें।

**श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) :** जनाबे स्पीकर साहब, इराक में बगदाद में सूरते हाल बहुत संगीन है।

SHRI V. DHANANJAYA KUMAR (MANGALORE): Sir, we would like to know whether the Question Hour is already suspended.

MR. SPEAKER: Question Hour is not suspended. Whatever is going on in the House is a guidance to the Chair whether the Question Hour should be suspended or not.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, I would like to ask the hon. Member whether it is not an important question to be raised in the House. Why does he argue on this?...(*Interruptions*)

SHRI V. DHANANJAYA KUMAR : Sir, in the guise of pleading before the House for suspension of Question Hour, we have been hearing all this since yesterday.

MR. SPEAKER: You raised a question of information, which I have given you. Please sit down now. I have given you the information.

...(*Interruptions*)

SHRI V. DHANANJAYA KUMAR : Then I may be also heard.

MR. SPEAKER: Only those who have given notices will be heard.

**श्री जी.एम.बनातवाला :** जनाबे वाला, इराक में सूरते हाल इन्तेहाई संगीन है। यह संगीन सूरते हाल का तकाजा है कि हम तमाम मामलात पर तरजीह देते हुए पहले इराक के सूरते हाल पर गौर करें और इवान की जानिब से एक मुत्तेबक और मुत्तहबा आवाज इस जुल्म-ए-सितम के खिलाफ बुलंद करें।

सर, यह बात खुलकर सामने आ चुकी है। ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Everyday, the situation is changing in Iraq. What can I do?

**श्री जी.एम.बनातवाला :** हम इराक पर अमेरिका की चढ़ाई और हमले की न सिर्फ जबर्दस्त और शदीद मजम्मत करते हैं बल्कि साथ-साथ हमारा इंतहाई अहम मुतालबा यह है कि लड़ाई और हमला जिस सूरत में आज है वह फौरन बंद किया जाए और इराक से अमेरिका और उसकी इत्तहादी फौज़ें वापस लौट जाएं। वहां के मामलात यूएनओ के सुपुर्द किये जाएं। इराक पर हमला मुज़रिमाना कार्यवाही और संगीन एग्रेशन था।

MR. SPEAKER: Shri Rupchand Pal. On the question of suspension of Question Hour you have been asking to speak.

**श्री जी.एम.बनातवाला :** आज अमेरिका इंटरनेशनल ट्रैचरी का मुर्तकब हो रहा है। आज जरुरी है कि हम उसका भरपूर नोट यहां पर लेते हुए अपनी बातों को पेश करें। जंगी मुज़रिम की तरह इराक पर अमेरिका का हमला है, उसके लिए अमेरिका को जंगी मुज़रिम करार देते हुए उस पर कार्यवाही इंतहाई जरुरी है। इसलिए

अमेरिका पर कार्यवाही हो और सैंक्शन्स हों - यह इंतहाई जरुरी है।

MR. SPEAKER: Shri Rupchand Pal. You have to speak only on suspension of Question Hour, nothing else. You have to strictly speak on whether the Question Hour should be suspended.

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Since yesterday, the whole world is watching that a nation of 110 crore of people in their sovereign Parliament is trying to pass a unanimous Resolution condemning the naked military aggression by US-led coalition forces on sovereign Iraq. We do not want to divide the House. We have been insisting on a unanimous Resolution against the hegemonistic move of military aggression to occupy and invade Iraq. It was said by the Government that if any war takes place, this Government will condemn it. Now, they are backing out. In whose favour, are they backing out now?

We are trying since yesterday - we have tried it earlier also - that a message should be sent that there is swelling public opinion the world over against the aggression. What has happened in Iraq today may happen to many other countries. Threats are there even against us. Shri Priya Ranjan Dasmunsi was mentioning about the Pakistan President's threat. Even there is the threat extended by the American Deputy Secretary against the External Affairs Minister for equating the Kashmir Situation with the Iraq situation. The BJP has decided in their last meeting to condemn it. All the parties here are condemning it. But what stands in the way that the Government is not agreeing to a Resolution to condemn the military aggression? We have demanded that immediately the act of aggression should be stopped and the Allied Forces should withdraw from sovereign Iraq. We have said that the rehabilitation and reconstruction will be the responsibility of the United Nations and the United Nations only. There is nothing wrong in that. When the Opposition, the Government, the BJP and the allied parties, are agreeable to such a Resolution, what is the pressure being mounted on this Government? The world is watching that it is a spineless Government which cannot stand up and protest even against this naked military aggression on a sovereign friend who was all along a friend of India, who stood by us even on the issue of Kashmir, who always stood by us in our distress.

When they are fighting this aggression, we are failing to condemn this aggression. We are urging you, Sir, to prevail upon this Government, and let this House unanimously condemn this act of military action. Sir, what else can be more urgent and important than this Adjournment Motion. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have received six notices of Adjournment Motion. I have gone through the wording of the notices which are given to me and the notices have asked for the suspension of the Question Hour to discuss the Adjournment Motion on Iraq issue. You are all aware that yesterday, while giving my ruling on the Adjournment Motion notice, I had said that this matter cannot be a subject matter for the Adjournment Motion. Since the Adjournment Motion is not permitted, after listening to the concerned Members, I have come to a conclusion that the Question Hour cannot be suspended for discussing the Adjournment Motion because the Adjournment Motion itself cannot be discussed in the House. Therefore, I rule out the request for the suspension of the Question Hour and I would go to the Question Hour directly.

Q.No. 361 − Dr. (Col. Retd.) Dhani Ram Shandil.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : No, Sir. ...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the main question is the Iraq issue. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Col. (Retd.) Dr. Dhani Ram Shandil.

**11.28 hrs.**

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) :** अध्यक्ष महोदय, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि कल से आजतक आपने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोई पक्ष या िवपक्ष का सवाल नहीं रहा। इराक पर अमरीका द्वारा जो हमला हुआ है, इस सवाल को आपने गम्भीरता से लिया है। अब हम भी चाहते हैं कि सदन का माहौल खराब न किया जाए। सरकार की मन्जूरी के लिए के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। जब तक वह प्रस्ताव पर निर्णय आता है, तब तक के लिए सदन स्थगित किया जाए, क्योंकि यह बहुत गम्भीर मामला है।

हमने यह आशंका व्यक्त की थी कि सारी दुनिया के लिए आज गम्भीर खतरा उत्पन्न हो गया है। कल अमरीका का हिन्दुस्तान के लिए धमकी भरा बयान आया है। उसका जवाब पाकिस्तान की ओर से फिर आ गया है कि जम्मू-काश्मीर को इराक से जोड़कर अमरीका हमला करे। यह सीधे-सीधे बात आ गई है। आज दुनिया में हिन्दुस्तान की स्थिति सबसे ज्यादा गम्भीर हो गई है। जो भी विदेश नीति है, जो भी प्रस्ताव है कि वह देश के हित में होता है। देश हित में अगर प्रधान मंत्री जी या उप-प्रधान मंत्री जी हम लोगों को बुलाकर अलग से बात कर लेते, तो क्या आप समझते हैं कि देश के हितों के खिलाफ प्रस्ताव हम सदन में ला सकते हैं। देश के हित में जो भी प्रस्ताव होगा, आज की वर्तमान स्थिति में हम उसे पारित कराने में सहयोग करेंगे। लेकिन इराक पर हमले से अमरीका की दादागिरी साबित हो गई है। जैसा कि पाकिस्तान ने कहा है उस पर अमरीका की प्रतिक्रिया अभी नहीं आया है। पाकिस्तान ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर को इराक से साथ जोड़कर अमरीका हमला कर दे, क्या इसका तत्काल अमरीका को खण्डन नहीं करना चाहिए कि पाकिस्तान गलत कह रहा है। वे पाकिस्तान की भी निन्दा नहीं कर सकते हैं। इसलिए हम आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि भारत सरकार दुविधाग्रस्त रही है और जो दुविधाग्रस्त रहता है, वह हमेशा देश का अपमान करता है और स्वयं भी मरता है। देश

को हम मरने नहीं देंगे। इसलिए हम विपक्ष के लोग खड़े हैं। हमें खुशी है कि सत्ता पक्ष में बैठे हुए स्वयं विजय कुमार मल्होत्रा जी टीवी पर कहते हैं हम विपक्ष से ज्यादा निन्दा करते हैं।

लोकिन पता नहीं ये क्यों दो जीभ से विचार प्रकट करते हैं? दो जीभ बड़ी खतरनाक होती हैं। हम दो जीभ से काम नहीं करते हैं। हम एक जीभ से देश के हितों में काम करते हैं। दो जीभ बहुत जहरीली और खतरनाक होती है। â€¦ (व्यवधान) दो जीभ वाला आप जानते हैं कि कौन होता है? यह हम नहीं बताना चाहते हैं लेकिन चाहते हैं कि अध्यक्ष महोदय, आपने जो सदन का माहौल अच्छा बनाया है, उसे अच्छा बनाए रखने के लिए जब तक विपक्ष की ओर से सरकार के पास गए प्रस्ताव पर सहमति /असहमति नही आ जाती, तब तक प्रश्न काल रोक कर इस पर चर्चा करवा दीजिए â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, आपने जैसा माहौल बनाया है, उसे बनाए रखें क्योंकि यह देश और दुनिया का अहम सवाल है। दुनिया के अधिकांश देश इराक पर अमरीकी हमले के खिलाफ है । अमेरिका को तत्काल वहां से हटना चाहिए, वहां से अपनी फौजें हटानी चाहिए। हमले के लिए हमें अमेरिका की निन्दा करनी चाहिए। यदि आप बीच में यह सवाल लाएंगे तो सदन का माहौल खराब होगा। मेरी प्रार्थना है कि सदन का माहौल ठीक रखिए। â€¦ (व्यवधान) भारतर्वा को अमेरिका के इस कदम का विरोध करना चाहिए और इराक के नागरिकों के लिये दवा, भोजन और बच्चों के लिये दूध आदि की सहायता संयुक्त राठ्र संघ के माध्यम से इराक को भेजने की पहल करनी चाहिए ।

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद)** : अध्यक्ष महोदय, ये आपकी व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदयः** मैं सभी को बोलने का मौका नहीं दे सकता।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. Let Shri Somnath Chatterjee say whatever he wants to say.

**श्री वी.धनञ्जय कुमार (मंगलौर) :** अध्यक्ष महोदय, आपने रूलिंग दी कि क्वैश्चन ऑवर सस्पैंड नहीं किया जा सकता और एडजर्नमैंट मोशन लिया नहीं जा सकता, ऐसे में यहां भाणबाजी क्यों हो रही है। यह क्या तरीका है? आपकी रूलिंग हम सब को माननी चाहिए।

**अध्यक्ष महोदयः** मैं जो कुछ कर रहा हूं, वह सदन के अच्छे के लिए कर रहा हूं।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, I would not take a long time. I deeply appreciate and I join my friends here in appreciating your kind initiative. I am happy that the hon. Deputy Prime Minister and senior Ministers like Dr. Murli Manohar Joshi are present here today. You have said questions should be put. I want to put only one question with your kind permission. Is there any more serious and urgent matter than this which we are also trying to raise before this country, a country which is committed to peace, disarmament and international amity? When an independent country, which has been a close friend of our country, is decimated by a power hungry imperialist aggressor, we are keeping quiet. The BJP National Executive passed a resolution taking that view. Even what happened in your room today? Generally we do not refer to that. Every hon. leader who was present there has agreed to the draft we have suggested. Therefore, I am respectfully requesting the Deputy Prime Minister, Dr. Murli Manohar Joshi and other senior Ministers to please tell us what is it that is standing in the way between the Resolution and the Government. Why can this not be passed? Why can this not be moved? We are saying, let the Speaker move it. Therefore, that is the question which is agitating all of us. We cannot go through a formality of questions. Therefore, we have said that it is such an issue that the discussion should start immediately, if a Resolution cannot be brought in. If it cannot be brought in, as Shri Mulayam Singh Yadav has suggested, let the atmosphere not be spoiled. Let the House be adjourned until the matter is decided or unless the Government agrees to this Resolution. Nobody here finds any objection to this Resolution. Therefore, I am requesting Shri Advani to please intervene. Please do not take the plea of some sort of supposed danger. What is the danger? This is a unanimous request from everybody in this House. I do not know why the Government should stand in the way.

MR. SPEAKER: I request the Government to react on this issue.

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND IN CHARGE OF THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRI L.K. ADVANI): Mr.Speaker, Sir, I am sure that in this morning's meeting, where all the party leaders were present, the hon. Minister of Parliamentary Affairs must have conveyed the views of the Government. If, after that, the Minister of Parliamentary Affairs has gone to seek the advice and counsel of the hon. Prime Minister, I have no objection to this House being adjourned till we meet again at 12.15 p.m. or 12.30 p.m. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am convening a meeting of all the leaders in my chamber at 12 noon. So, we will meet again at 12.30 p.m. The House stands adjourned till 12.30 p.m.

**11.35 hrs.**

*The Lok Sabha then adjourned till thirty minutes past twelve of the clock.*

**12.30 hrs.**

*The Lok Sabha re-assembled at thirty minutes past Twelve of the Clock.*

(Mr. Speaker *in the Chair*)

**श्री रतन लाल कटारिया (अम्बाला) :** अध्यक्ष महोदय, कल अम्बाला में एक मिग-21 विमान उड़ान भरने के तुरन्त बाद गिर गया। एक वर्ा में चार-चार मिग-21 िवमान गिर चुके हैं। मेरा निवेदन है कि इस विाय में सदन में चर्चा कराई जाए और मुझे इस बारे में बोलने की अनुमति प्रदान की जाए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Leaders are still discussing the draft Resolution, which we want to pass unanimously. Therefore, I am adjourning the House for Lunch and for a discussion on draft Resolution in the Leaders' Meeting till 2 o' clock.

**12.31 hrs.**

*The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.*

**14.02 hrs.**

*The Lok Sabha re-assembled at two minutes past Fourteen of the Clock.*

(Mr. Speaker *in the Chair*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Sir, what is the outcome?

MR. SPEAKER: Your leaders will inform you about that. However, the outcome is a very happy one. A unanimous resolution is going to come before the House, after completing the formal work.

Now, the House will take up item No. 2, that is, papers to be laid on the Table of the House. I now call Shri Arun Jaitley.

**14.06 hrs**

MR. SPEAKER: Shall we treat them as laid on the Table of the House?

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

MR. SPEAKER: 'Matters under Rule 377' listed for the day are treated as laid on the Table of the House.